सांध्य दैनिक 4PM

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी हार मान लेना है। सफल होने का सबसे निश्चित तरीका है हमेशा एक और बार प्रयास करना।

-थॉमस ए. एडीसन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 189 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 13 अगस्त, 2024

सीएम बुलाएं मराठा और कोटा विवाद... 7 | विस चुनाव की आने लगी... 3 | सियासी साजिश के ओलंपिक में... 2

दिल्ली में अब झंडे पर गरमाई सियासत

मंत्री आतिशी को नहीं मिली स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने की इजाजत

- » जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने खारिज किया सीएम केजरीवाल का प्रस्ताव
- » फैसले पर आप ने जताई नाराजगी
- » सिसोदिया बोले- स्वतंत्रता के पवित्र अवसर पर की जा रही ओछी राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर प्रदेश की केजरीवाल सरकार और केंद्र के बीच तलवारें खिंच गई हैं। राज्य की आम आदमी सरकार एक बार फिर से केंद्र पर आरोप लगा रही है और केंद्र व राज्य व प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल, इस बार मामला है स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने को लेकर।

क्योंकि प्रदेश के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में हैं, ऐसे में सीएम केजरीवाल ने दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी को झंडा फहराने की इजाजत दिए जाने के लिए उपराज्यपाल को एक पत्र लिखा था और प्रस्ताव दिया था। लेकिन अब इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है। केजरीवाल ने

जेल के भीतर रहते हुए यह इच्छा जताई थी कि 15 अगस्त को छत्रसाल स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम में आतिशी उनकी जगह झंडा फहराएं। लेकिन इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है। इसके बाद अब आम आदमी पार्टी हमलावर है। दिल्ली सरकार के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (जीएडी) ने केजरीवाल के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इसके बाद अब यह साफ हो गया है कि आतिशी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहरा सकेंगी। इस प्रस्ताव को खारिज करते समय नियमों का हवाला दिया गया है।

जेल नियमों के तहत इसकी इजाजत नहीं : जीएडी

जीएडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव नवीन कुमार चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश कानूनी रूप से अवैध हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। जेल नियमों के अनुसार इसकी इजाजत नहीं है। 15 अगस्त को झंडा फहराने के मुद्दे पर दिल्ली के मंत्री गोपाल राय को जवाब देते हुए सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने पत्र में लिखा किह पूरी तरह से स्पष्ट है कि उपरोक्त संचार (मंत्री का पत्र) अनुमेय संचार की श्रेणी में नहीं आता है जिसे जेल के बाहर भेजा जा सकता है। उद्धृत नियमों के उल्लंघन में कोई भी संचार, लिखित या मौखिक, कानूनी रूप से वैध नहीं है और इसलिए उस पर कार्रवाई नहीं की जा सकती है। वहीं, जब दिल्ली उपराज्यपाल से पूछा गया कि इस फैसले के बाद अब दिल्ली में झंडा कौन फहराएगा? इस पर उपराज्यपाल ने कहा कि धन्यवाद।

एलजी से ये ही उम्मीद कर सकते हैं : सिसोदिया

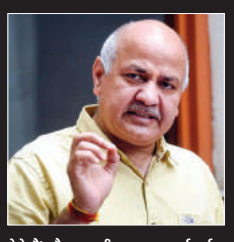

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वतंत्रता के इस पवित्र अवसर पर ओछी राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली के एलजी विनय सक्सेना से यही उम्मीद कर सकते हैं। सिसोदिया ने कहा कि मैं अखबारों में पढ़ता रहता हूं कि जब ठग सुकेश पत्र लिखता है तो तिहाड़ के अधिकारी उसे एलजी को सौंप

देते हैं और एलजी उस पर कार्रवाई करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के निर्वाचित मुख्यमंत्री पत्र लिखते हैं तो एलजी तिहाड़ के अधिकारियों को पत्र भेजने से रोक देते हैं। सिसोदिया ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के संबंध में पत्र लिखा है तो एलजी कार्यालय को केवल महानिदेशक कार्यालय को फोन करना होता है और उसे भेजने के लिए कहना होता है, लेकिन उनका स्वतंत्रता दिवस से कोई लेना-देना नहीं होता।

ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर मामले में हाईकोर्ट ने दिखाई सख्ती

- » ममता सरकार से पूछा- आप प्रिंसिपल घोष को क्यों बचा रहे
- » बंगाल सरकार ने संदीप घोष को बनाया सीएनएमसीएच का प्रिंसिपल
- » देशभर में डॉक्टर्स के प्रदर्शन से मरीजों को हो रही परेशानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप-मर्डर मामले को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गईं। हाईकोर्ट में इस पर आ सुनवाई हुई।

इस दौरान अदालत ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली सरकार से सवाल किया कि आप उस प्रिंसिपल को क्यों बचा रहे हैं, जिसने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मेडिकल कॉलेज से इस्तीफा दिया।

केस डायरी अदालत के समक्ष की जाए दायर : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने इस बात का जिक्र किया कि डॉ संदीप घोष भले ही प्रशासनिक पद संभाल रहे हैं, लेकिन उनसे सबसे पहले इस पूरे मामले को लेकर सवाल किया जाना था। सरकार की तरफ से पेश से हुए वकील से पूछा कि आप उन्हें क्यों बचा रहे हैं। उनका बयान दर्ज किया जाए। वह जो भी जानते हैं, उन्हें बताने दिया जाए। चीफ जस्टिस की खंडपीठ ने कोलकाता रेप-मर्डर मामले की केस डायरी आज अदालत के समक्ष दाखिल करने का निर्देश दिया।

संदीप घोष ने दिया था प्रिंसिपल पद से इस्तीफा

दरअसल, बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल रहे डॉ संदीप घोष को कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का प्रिंसिपल नियुक्त किया है। डॉ. संदीप ने मेडिकल कॉलेज में हुई रेप-मर्डर की घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। सरकार ने स्वास्थ्य भवन (स्वास्थ्य विभाग) में ओएसडी डॉ. सुहिता पाल को आरजी कर मेडिकल कॉलेज का नया प्रिंसिपल नियुक्त किया है।

कोर्ट ने घोष को छुट्टी का आवेदन जमा करने को कहा

कोलकाता रेप-मर्डर केस के सिलसिले में कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने कई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम ने सवाल किया कि उस प्रिंसिपल को जिसने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था, उसे कैसे किसी दूसरे सरकारी मेडिकल कॉलेज का प्रिंसिपल नियुक्त किया जा सकता है? अदालत ने संदीप घोष से आज दोपहर 3 बजे तक छुट्टी का आवेदन जमा करने को कहा है, नहीं तो अदालत उन्हें पद छोड़ने का आदेश पारित करेगी।

देशभर में जारी है डॉक्टर्स का प्रदर्शन

फोटो: सुमित कुमार

कोलकता में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या की वारदात के खिलाफ देशभर के डॉक्टर जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं। दिल्ली समेत एनसीआर में भी डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी है। दिल्ली में डॉक्टरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान किया है। मंगोलपुरी के राजीव गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल में डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल जारी है। जिसकी वजह से मरीजों को परेशानी हो रही है। दुष्कर्म की वारदात के खिलाफ डॉक्टर केंद्र सरकार से इंसाफ मांग रहे हैं।

सियासी साजिश के ओलंपिक में बिना खेले जीत जाएंगे हुक्मरान : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने विनेश को लेकर दिए गए आईओए के बयान पर जताई नाराजगी

» बोले- देश सब देख रहा है देश की बेटी के साथ हुई नाइंसाफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पेरिस ओलंपिक समाप्त हो चुका है। लेकिन इस बार पूरे ओलंपिक में सबसे ज्यादा चर्चा अगर किसी बात की रही तो वो विनेश फोगाट का पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित किए जाने की रही। इसको लेकर अभी भी तमाम तरह की चर्चाएं हैं और अभी भी विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल मिलने का प्रयास किया जा रहा है। इस बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 किलोग्राम वर्ग की कुश्ती प्रतिस्पर्धा के फाइनल से पहले अयोग्य घोषित की गई विनेश फोगाट को लेकर भारतीय ओलंपिक संघ पर निशाना साधा है।

अखिलेश ने भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के विनेश फोगाट के ओलंपिक से अयोग्य ठहराए जाने के संबंध में दिए बयान की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिय पर पोस्ट कर भी निशाना साधा है।

पीटी उषा के बयान को बताया निंदनीय

अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि महान योद्धा विनेश फोगाट के बारे में इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन का ये बयान निंदनीय है कि खिलाड़ी के वजन और शरीर की जिम्मेदारी सिर्फ उसके अपने कोच और सपोर्ट टीम की होती है। क्या ऐसा कहकर इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन कोच के साथ ही सपोर्ट टीम पर उंगली तो नहीं उठा रही है। ये लोग भी तो एसोसिएशन से संबद्ध होते हैं। ऐसे में ये सवाल भी उठ सकता है कि सपोर्ट टीम का चयन किसने किया। जनता पूछ रही है अगर जिम्मेदारी सिर्फ उन्हीं लोगों की थी तो फिर चीफ मेडिकल ऑफिसर को भेजने की औपचारिकता क्यों की गयी।

खिलाड़ियों का मनोबल तोड़ता है ऐसा बयान

सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि ऐसे बयान देश के खिलाड़ियों और उनके कोच व सपोर्ट टीम के मनोबल को तोड़ने वाले होते हैं और खासतौर से उनके मनोबल को तो और भी ज्यादा जिन्होंने सड़कों पर संघर्ष किया हो। इस बयान से की गयी नाइंसाफी, देश की बेटी विनेश फोगाट के साथ पहले हुई नाइंसाफी से कम नहीं है। देश सब देख भी रहा है और समझ भी रहा है। सियासी साजिश का अगर कोई ओलंपिक होगा तो आज के हुक्मरान बिना खेले जीत जाएंगे।

योगी के सामने अखिलेश ने अवधेश प्रसाद को उतारा

उत्तर प्रदेश में दस सीटों के लिए विधानसभा उपचुनाव होने हैं, अभी तारीखों का एलान नहीं हुआ है, लेकिन राजनीतिक दलों ने इन सीटों पर उतरने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। सभी दल उपचुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। इसी बीच विधानसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अयोध्या की मिल्कीपुर सीट की कमान सांसद अवधेश प्रसाद को दी है। भाजपा से यहां की जिम्मेदारी खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों में ली है। सपा के अवधेश प्रसाद इसी सीट से विधायक रहते हुए पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा सांसद लल्लू सिंह को हराकर सांसद बने हैं। अवधेश के साथ विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को मिल्कीपुर से प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा सपा ने पांच अन्य

सीटों पर भी उपचुनाव की तैयारियों के लिए दिग्गज उतार दिए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में फैजाबाद संसदीय क्षेत्र से दलित जाति के अवधेश प्रसाद पर दांव लगाया था और उनकी यह रणनीति सफल रही। अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के बाद मिल्कीपुर सीट पर भी उपचुनाव होना है।

उपचुनाव के लिए सपा ने नियुक्त किए प्रभारी

इसके अलावा सपा ने कटेहरी (अम्बेडकरनगर) में पार्टी महासचिव शिवपाल सिंह यादव, मझवां (मिर्जापुर) सीट की जिम्मेदारी सांसद वीरेंद्र सिंह और करहल (मैनपुरी) की जिम्मेदारी पूर्व मंत्री चंद्रदेव यादव को दी है। फूलपुर सीट के लिए विधायक व पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज और सीसामऊ (कानपुर नगर) के लिए विधायक राजेंद्र कुमार को प्रभारी नामित किया गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इन प्रभारियों को बूथ स्तर पर सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए कहा है।

उम्मीद है बांग्लादेश में जल्द सामान्य होंगे हालात : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों और अत्याचारों को लेकर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की प्रतिक्रिया भी अब सामने आई है। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हमलों की खबरें विचलित करने वाली हैं।

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा या पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले अस्वीकार्य हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में जल्द हालात सामान्य होंगे और वहां की नवनिर्वाचित सरकार हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के लिए सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करेगी। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय, आवामी लीग की नेता शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और दक्षिण एशियाई देश में आरक्षण संबंधी मुद्दे पर हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद चिंता में है। हिंदू समुदाय के लोग बंदरगाह शहर चटगांव में बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे और अपने जीवन, संपत्ति और पूजा स्थलों की सुरक्षा की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि बांग्लादेश हमारी मातृभूमि है और हम कहीं नहीं जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर में अपने दम पर सरकार बनाने जा रही नेकां : फारुक अब्दुल्ला

» नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख बोले- हम चुनाव के लिए तैयार हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वह जम्मू कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और उम्मीद जताई कि निर्वाचन आयोग इस महीने के अंत तक चुनाव की तारीखों की घोषणा कर देगा। हालांकि, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने यह बताने से इनकार कर दिया कि वह किस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

डोडा जिले में पार्टी के एक समारोह में बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि उनके बेटे उमर अब्दुल्ला मौजूदा व्यवस्था के तहत चुनाव नहीं लड़ना चाहते। उन्होंने मन बना लिया है कि वह राज्य का दर्जा (जम्मू कश्मीर का) बहाल होने तक चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, मैं चुनाव लड़ने जा रहा हूं क्योंकि मैं मरा नहीं हूं। अब्दुल्ला ने दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर में अगली सरकार अपने दम पर बनाएगी और उसे 'अल्लाह' के अलावा किसी और के समर्थन की जरूरत नहीं है। निर्वाचन आयोग के जम्मू-कश्मीर के हालिया दौरे पर अब्दुल्ला ने कहा कि रिपोर्ट बताती है कि चुनावों की घोषणा 21 से 25 अगस्त के बीच की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम चुनाव के लिए तैयार हैं।

इससे पहले फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि देश ध्रुवीकरण और नफरत की राजनीति के कारण बुरे दौर से गुजर रहा है।

जनता के बीच अपने घोटालों का जवाब नहीं दे पाएंगे सिसोदिया : सचदेवा

मनीष सिसोदिया की पदयात्रा पर बीजेपी ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया एक्शन मोड में हैं। सिसोदिया आम आदमी पार्टी के बड़े से लेकर छोटे नेताओं के साथ मीटिंग कर रहे हैं। आप ने पूरे दिल्ली में मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में पदयात्रा निकालने की घोषणा की है।

इस पर डीपीसीसी प्रेसिडेंट देवेंद्र यादव ने तंज कसा है। देवेंद्र यादव का कहना है कि आम आदमी पार्टी जनता का ध्यान हटाने के लिए पदयात्रा का पाखंड करना चाहती है। वहीं दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मनीष सिसोदिया जहां भी पदयात्रा में लोगों के बीच जायेंगे वहां लोगों को अपने घोटालों पर जवाब नहीं दे पायेंगे।

जल जमाव और बिजली करंट से हुई मौतों पर भी देना होगा जवाब

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पदयात्रा पर कहा कि मनीष सिसोदिया जहां भी पदयात्रा में लोगों के बीच जाएंगे वहां लोग उनसे पाठशाला से लेकर शराब पॉलिसी तक घोटालों पर जवाब मांगेंगे पर वह जवाब नहीं दे पायेंगे। सचदेवा ने कहा है कि जनता के बीच जाने पर मनीष सिसोदिया को इस मानसून में अप्रत्याशित जल जमाव संकट, जलजमाव एवं बिजली करंट से अब तक हुई 32 मौतों पर भी जवाब देना होगा।

जनता के लिए होने वाले कामों पर ध्यान दें सिसोदिया

वहीं देवेंद्र यादव ने कहा कि 14 अगस्त से पदयात्रा शुरू करने पर जनता उनसे शराब घोटाले के भ्रष्टाचार का हिसाब और जवाब मांगेगी, तब वे मानवता के आधार पर लोगों से नजरे मिला पाएंगे। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा मनीष सिसोदिया दिल्ली सरकार की नाकामियों और लोगों के लिए होने वाले कामों पर ध्यान दें। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि आप पार्टी जल भराव से लगातार मरने वालों को न्याय दिलाने जगह मनीष सिसोदिया के जेल से बाहर आने पर हुई बेल का जश्न मना रही है। यादव ने कहा कि मनीष सिसोदिया का बयान कि 'मैं खून पसीना बहाने बेल पर बाहर आया हूं', से स्पष्ट है कि मनीष सिसोदिया स्वयं जानते हैं कि फिर से कभी भी वे जेल जा सकते हैं।

विनेश को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया जाए : दुष्यंत

» हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम ने राष्ट्रपति व पीएम मोदी से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने रेस्लर विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजे जाने की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी से मांग की है कि उन्हें राज्यसभा का मनोनीत सदस्य बनाया जाए जैसे सचिन तेंदुलकर को बनाया गया था। बता दें कि राज्यसभा में मनोनीत सदस्य बनाने की व्यवस्था है।

दुष्यंत चौटाला ने सोशल मीडिया पर अपनी मांगों को लेकर पोस्ट करते हुए लिखा कि राज्यसभा में 4 मनोनीत सदस्यों की सीट खाली है जिस पर राष्ट्रपति जल्द ही 4 सदस्यों को मनोनीत करेंगी। राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री से मेरा निवेदन है कि वो सचिन तेंदुलकर की तरह देश की बहादुर बेटी विनेश फोगाट को भी राज्यसभा में मनोनीत करें ताकि युवाओं, महिलाओं और खिलाड़ियों की एक मजबूत आवाज देश की संसद में पहुंचे। चौटाला ने आगे लिखा कि विनेश फोगाट जैसी अंतर्राष्ट्रीय गौरव पहलवान को पार्टी की राजनीति और चुनाव से नहीं गुजरना चाहिए। देश का मानना है कि राज्यसभा में मनोनीत होना ही भारत की इस बहादुर बेटी का असली सम्मान होगा जिसकी वो हकदार है। विनेश इसी 25 अगस्त को मनोनयन की सभी योग्यताएं पूरी कर लेंगी।

विस चुनाव की आने लगी आहट !

महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड में दिखने लगी तैयारी

- एनडीए व इंडिया गठबंधन ने कसी कमर
- जम्मू-कश्मीर व दिल्ली में भी सुगबुगाहट
- इस महीने के अंत में आ सकती है बीजेपी की पहली लिस्ट
- 15 अगस्त के बाद होगी मीटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के तीन महत्वपूर्ण राज्यों महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड के विधान सभा चुनावों के लिए एनडीए व इंडिया गठबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है। सत्ता में बैठी बीजेपी ने ज्यादा तेजी से शुरुआत की है। बीजेपी इसके लिए खास रणनीति तैयार की है। वहीं जम्मू-कश्मीर में भी चुनावी गतिविधियां चालू हो रही है। चुनाव अयोग ने वहां के सियासी दलों के साथ बैठकें शुरू कर दी हैं। संसद का मॉनसून सत्र समाप्त होने के बाद बीजेपी हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गई है। उम्मीदवारों की पहली सूची इस महीने के अंत तक जारी की जाएगी।

बीजेपी ने चुनाव की रणनीति पर बैठकें की हैं। 15 अगस्त के बाद केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी। बीजेपी अभी महाराष्ट्र में गठबंधन की सरकार में है। वही, हरियाणा में अकेले ही राज कर रही है। झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस गठबंधन की सरकार है। पार्टी ने इन राज्यों के लिए चुनाव प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। पार्टी की चुनाव की तैयारियों पर एक शुरुआती बैठक भी हो चुकी है। बीजेपी इस महीने के आखिर में तीनों राज्यों के लिए विधानसभा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने की योजना बना रही है। महाराष्ट्र के लिए 30-35, हरियाणा के लिए करीब 20 और झारखंड के लिए 25 उम्मीदवारों की घोषणा करने पर काम चल रहा है। पहली सूची में वे सीटें शामिल होंगी, जो भाजपा पिछले चुनाव में हारी थीं या कम अंतर से जीती थीं। इसमें एससी और एसटी समुदायों के लिए आरक्षित कुछ निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल हो सकते हैं। लोकसभा चुनावों के दौरान, एससी वोटों का एक बड़ा हिस्सा इंडिया गठबंधन की ओर चला गया था। समय से पहले टिकटों की घोषणा करके, पार्टी उम्मीदवारों को एससी समुदाय से पार्टी के सामने आने वाले विरोध से निपटने के लिए पर्याप्त समय देना चाहती है। पार्टी को हरियाणा और झारखंड में टिकटों का ऐलान करने में कोई दिक्कत नहीं होगी क्योंकि वह वहां ज्यादातर सीटों पर चुनाव लड़ेगी। लेकिन महाराष्ट्र में उसे अपने सहयोगी दलों शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को विश्वास में लेना होगा। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति 15 अगस्त के बाद बैठक करेगी। इसमें उम्मीदवारों की पहली सूची तैयार की जाएगी। पिछले साल मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में पार्टी ने जिन सीटों पर हार का सामना किया था, भाजपा ने उम्मीदवारों की जल्दी घोषणा की इस रणनीति को अपनाया था। यह रणनीति कारगर साबित हुई क्योंकि पार्टी ने 2018 में हारी हुई कई सीटें जीतीं और वर्तमान में इन तीनों राज्यों में उसकी सरकारें हैं।

दिल्ली में विस चुनाव समय से पहले होने के आसार

राजधानी में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। दरअसल मुख्य निर्वाचन कार्यालय ने विधानसभा चुनाव के लिए एमसीडी को नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा एमसीडी को अपने कर्मचारियों को चुनाव संबंधी ट्रेनिंग देने का भी निर्देश दिया है। उधर, एमसीडी ने मुख्य निर्वाचन कार्यालय के आदेश के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कवायद के पीछे माना जा रहा है कि दिल्ली में भी इस वर्ष के अंत में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल अगले की शुरूआत में खत्म होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव कराने में एमसीडी की हर मामले में महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इस कारण मुख्य निर्वाचन कार्यालय दिल्ली ने एमसीडी को विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है। एमसीडी के अनुसार, मुख्य निर्वाचन कार्यालय ने उसको चुनाव संबंधी विभिन्न कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कर्मचारियों को चुनाव कार्य के संबंध ट्रेनिंग देने का भी फरमान दिया है। इस कड़ी में उसने कार्य करना शुरू कर दिया है। उसने नोडल अधिकारी नियुक्त करने के साथ-साथ कर्मचारियों को ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी है।

उधर, मुख्य निर्वाचन कार्यालय के आदेश को लेकर एमसीडी में विधानसभा चुनाव के समय को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है। दरअसल दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल अगले वर्ष फरवरी में खत्म होगा। इस कारण चुनाव होने में अभी छह माह बचे हैं। अभी तक किसी भी चुनाव की तैयारी छह-सात माह पहले नहीं हुई है। इस तरह माना जा रहा है कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव पहले हो सकते हैं। इस साल के अंत में महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड व जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव होने हैं। लिहाजा दिल्ली में भी विधानसभा के चुनाव इन राज्यों के साथ हो सकते हैं। अगले वर्ष फरवरी माह में दिल्ली विधानसभा के अलावा अन्य किसी राज्य के विधानसभा चुनाव होने तय नहीं है।

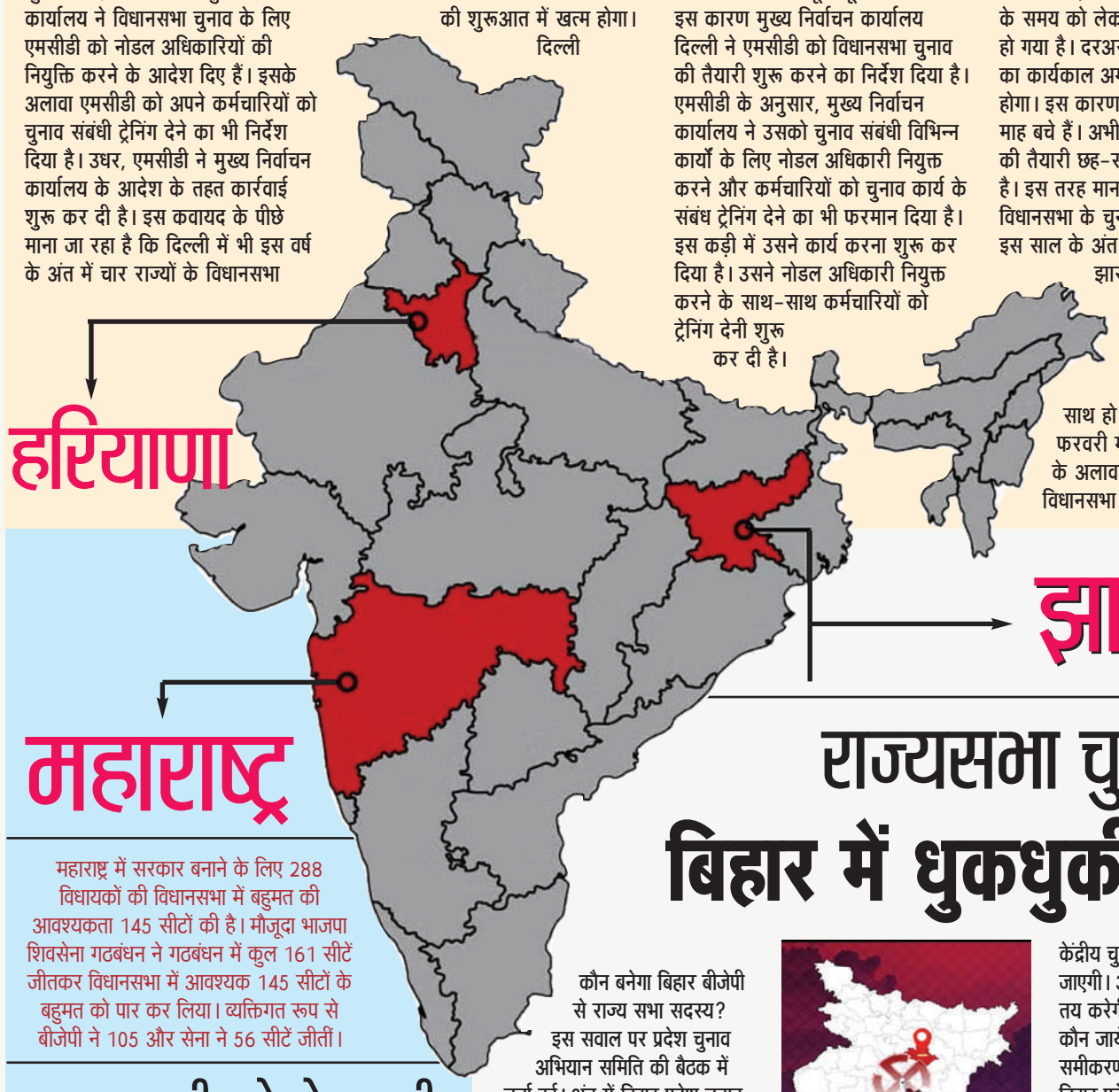

महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए 288 विधायकों की विधानसभा में बहुमत की आवश्यकता 145 सीटों की है। मौजूदा भाजपा शिवसेना गठबंधन ने गठबंधन में कुल 161 सीटें जीतकर विधानसभा में आवश्यक 145 सीटों के बहुमत को पार कर लिया। व्यक्तिगत रूप से बीजेपी ने 105 और सेना ने 56 सीटें जीतीं।

उत्तर कश्मीर से हो सकती है शुरुआत, 4-5 चरणों में होंगे विधानसभा चुनाव

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। भले ही इस बात का आकलन किया गया है कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन भारत के चुनाव आयोग विभिन्न समय-निर्धारण विकल्पों पर विचार कर रहा है। संभावना है कि उत्तरी कश्मीर में पहले चुनाव होंगे। चुनाव आयोग के पास दूसरा विकल्प उत्तरी और दक्षिणी कश्मीर दोनों निर्वाचन क्षेत्रों को चुनाव के शुरुआती चरणों में मतदान कराना और फिर मध्य कश्मीर और जम्मू में चुनाव कराना है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन और सुरक्षा विभागों ने चुनाव आयोग को बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव को चरणों में कराने के क्या-क्या विकल्प हो सकते हैं। उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव 4-5 चरणों में हो सकते हैं। साल 2014 में जब जम्मू-कश्मीर में आखिरी विधानसभा चुनाव हुए थे, तब पांच चरणों में मतदान हुआ था। चुनाव आयोग के प्रमुख राजीव कुमार के नेतृत्व में पूरा आयोग 8 से 10 अगस्त तक श्रीनगर और जम्मू का दौरा कर चुनाव की तैयारियों का जायजा ले चुका है।

राज्यसभा चुनाव
बिहार में धुकधुकी बढ़ी

कौन बनेगा बिहार बीजेपी से राज्य सभा सदस्य? इस सवाल पर प्रदेश चुनाव अभियान समिति की बैठक में चर्चा हुई। अंत में बिहार प्रदेश चुनाव समिति ने बैठक की अध्यक्षता कर रहे डॉ. दिलीप जायसवाल और भिखू दलसनिया को बैठक में लाए गए नामों को शॉर्ट लिस्ट करने की लिए अधिकृत कर दिया। प्रदेश चुनाव समिति की इस बैठक में 17 सदस्यों में से कुल 12 सदस्य ही शामिल हुए। संगठन महामंत्री भीखु भाई दलसानिया, डॉ. दिलीप जायसवाल, विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी, तार किशोर प्रसाद, नित्यानंद राय, मंगल पांडे, डॉ. संजय जायसवाल, नंद किशोर यादव, प्रेम रंजन पटेल, धर्म शीला गुप्ता, जनक राम शामिल हुए। किसी कारणवश केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, राधा मोहन सिंह, सांसद रवि शंकर प्रसाद और पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी इस बैठक में नहीं आ सकीं। मिली जानकारी के अनुसार इस बैठक में दो दर्जन से भी ज्यादा नामों पर चर्चा हुई। नामों के कोरम में यह ध्यान रखा गया कि कोई भी जाती या वर्ग इस से वंचित नहीं रहे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजपूत जाति से पांच, भूमिहार से पांच, ब्राह्मण से 4, कायस्थ से तीन, ओबीसी और अत्यंत पिछड़ा जाति से भी चार चार नाम आए। दलित से भी चार नाम आए। सबसे ज्यादा नाम ओबीसी और अत्यंत पिछड़ी जाति से आए। चुनाव समिति के 12 सदस्यों ने हर नाम पर चर्चा की। अंत में चुनाव समिति के पास विभिन्न स्रोतों से आए नामों को शॉर्ट लिस्ट करने के लिए चुनाव समिति की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल और संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया को अधिकृत कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार हर जाति हर वर्ग से दो या तीन नाम शॉर्ट लिस्ट कर बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति को भेज दी जाएगी। अब केंद्रीय चुनाव समिति तय करेगी कि किस जाति से और कौन जायेगा जो बीजेपी के सामाजिक समीकरण को संतुष्ट कर पाएगा। बिहार प्रदेश चुनाव समिति में बीजेपी के ही नेताओं के नाम की चर्चा हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उपेंद्र कुशवाहा को लेकर प्रदेश चुनाव समिति में कोई चर्चा नहीं हुई है। पर बीजेपी के अंदर खाने में उपेंद्र कुशवाहा का जाना तय है। पर इसके लिए जनता दल यू (जेडीयू) की सहमति यानी नीतीश कुमार की सहमति जरूरी है। अगर नीतीश कुमार अपना दावा राज्य सभा के एक पद पर नहीं छोड़ते तो उपेंद्र कुशवाहा के राज्य सभा जाने पर ग्रहण लग सकता है। 9 राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों पर चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी हो चुकी है। 14 अगस्त को नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा, तो वहीं 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन होगा। 22 अगस्त को स्क्रूटनी होगी। अगर जरूरत पड़ी तो तीन सितंबर को होंगे चुनाव और शाम पांच बजे परिणाम घोषित भी हो जायेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अंतरिम सरकार से मधुर होंगे भारत के रिश्ते!

बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत के साथ सहयोग करने के संकेत दिए हैं। उन्होंने देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा को तत्काल रोकने को कहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है देश को आगे बढ़ाने लिए हम सबको साथ मिलकर चलना होगा। उन्होंने अपनी टीम भी तैयार कर ली है। उस टीम में उन्होंने हिंदू नेताओं को भी शामिल किया है। ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही वहां पर हालाम सामान्य हो जाएंगे। स्थिती सामान्य होते ही भारत व बांग्लादेश के बीच संबंध पुन: बहाल हो जाएंगे। गौरतलब हो कि बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को अंतरिम सरकार के मुखिया के तौर पर शपथ ग्रहण किया । इसके साथ ही शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर होने और देश छोड़ने के बाद नेतृत्वहीनता जैसी स्थिति से गुजर रहे बांग्लादेश में एक ऐसी सरकार बन गई, जिस पर देश को उथलपुथल के इस दौर से निकाल कर वहां शांति व्यवस्था और सामान्य स्थिति कायम करने की जिम्मेदारी है।

गौरतलब हो कि बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को अंतरिम सरकार के मुखिया के तौर पर शपथ ग्रहण किया । इसके साथ ही शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर होने और देश छोड़ने के बाद नेतृत्वहीनता जैसी स्थिति से गुजर रहे बांग्लादेश में एक ऐसी सरकार बन गई, जिस पर देश को उथलपुथल के इस दौर से निकाल कर वहां शांति व्यवस्था और सामान्य स्थिति कायम करने की जिम्मेदारी है।

यह बांग्लादेश के लोगों के बीच उनकी विश्वसनीयता का सबूत है कि जो लोग छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे, उनकी ओर से उनका नाम इस जिम्मेदारी के लिए सुझाया गया। इसके पीछे कुछ भूमिका इस तथ्य की भी होगी कि वह अर्से से हसीना सरकार के निशाने पर रहे हैं। इसके बावजूद कि गरीबों को छोटे-छोटे लोन देकर उन्हें गरीबी से निकालने का उनका आइडिया न केवल बांग्लादेश में सफल रहा बल्कि उसकी तर्ज पर ग्रामीण बैंक का प्रयोग करीब 100 अन्य देशों में चलाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि व्यक्तिगत तौर पर मोहम्मद यूनुस उदार और आधुनिक विचारों वाले शख्स हैं जिनकी प्राथमिकता विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की होगी। लेकिन असल सवाल यह है कि अंतरिम सरकार के मुखिया के तौर पर उनके हाथों में कितनी ताकत रहती है। आखिर उन्हें सेना, राष्ट्रपति और जमात और बीएनपी जैसी राजनीतिक ताकतों की ओर से डाले जा रहे दबावों के बीच काम करना होगा। हालांकि यूनुस भी इन बातों को समझते हैं। उन्होंने नई जिम्मेदारी की पेशकश स्वीकारने के बाद यह साफ कर दिया कि भारत से रिश्ते सुधारने के कई मौके मिलेंगे और यह उनकी प्राथमिकता में है। बहरहाल, अंतरिम सरकार एक तात्कालिक व्यवस्था ही है जिसका उद्देश्य देश में सामान्य स्थिति कायम करके जल्द से जल्द एक एक निर्वाचित सरकार के हाथों में सत्ता सौंपना है। ऐसे में देखना होगा कि अगले कुछ दिनों और महीनों में वहां किस तरह का माहौल बनता है और लोकतांत्रिक शक्तियां मौजूदा चुनौतियों का सामना कितनी मजबूती से करती हैं। भारत को अभी पूरी तरह संभलकर कोई भी प्रतिक्रिया देनी होगी हालांकि अल्पसंख्यकों के हितों के लिए समय-समय पर बोलना भी जरूरी है क्योंकि पड़ोस में स्थिरता जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मौसमी बदलाव से मुकाबले में सहायक वायनाड के सबक

सुरुचि भडवाल

हाल के वर्षों में देशभर में घटित आपदाओं का बदतर होता प्रभाव चिंताजनक है। वायनाड त्रासदी एक ऐसा चरम मामला है, जब धरती की सतह कुछ कारकों की वजह से बना दबाव नहीं झेल पाई। मसलन बुनियादी ढांचा विकास और अत्यधिक बारिश। लंबे समय से, विकास प्रक्रिया बनाते वक्त पर्यावरणीय संवेदनशीलता की अहमियत का ध्यान नहीं रखा जाता। लेकिन मौसम में आ चुका बदलाव अब एक हकीकत है। और समस्या की तीव्रता देश के अनेक हिस्सों में आफत का रूप धरकर टूट रही है। केरल में घटित आपदा का कारण चाहे चरम बारिश कहें या यथेष्ट प्रशासनिक व्यवस्था एवं पर्यावरणीय प्रबंधन का अभाव, अवश्य ही इसके जिम्मेवार सब मिलाकर हैं।

देश के दक्षिणी प्रायद्वीप के पश्चिमी और पूरबी घाट जैविक विविधता से काफी समृद्ध हैं और वे गुजरात से लेकर केरल तक और ओडिशा से लेकर तमिलनाडु तक फैली तटरेखा के प्राकृतिक रक्षक हैं। ये घाट, जो अनेक लुप्तप्राय वनस्पति और जीव-जंतु-पक्षियों का आशियाना भी हैं, यहां के पर्यावरण को नियंत्रित करते हैं। इस पर्वतीय अंचल के संवेदनशील प्राकृतिक स्वरूप और इसे सुरक्षित रखने की जरूरत पर अनेकानेक खबरें छप चुकी हैं और विचार विमर्श हो चुके हैं। सरकारों ने इस संबंध में कमेटियां बनाईं। माधव गाडगिल और के. कस्तूरीरंगन रिपोर्ट ने पश्चिमी घाटों की पर्यावरणीय संवेदनशीलता के मद्देनजर इस इलाके को संरक्षित करने की तगड़ी सिफारिशें की हैं, जैसे कि खनन पर और अधिक कड़ा नियंत्रण या पूर्ण रोक, औद्योगिक एवं कृषि गतिविधियां, आर्थिक कारणों से भवन निर्माण और भूमि उपयोग में बदलाव इत्यादि पर सख्त शिकंजा। संवेदनशील हिस्सों की पहचान की गई है। इनमें कहा गया कि कई अत्यंत संवेदनशील संभागों में अनेकानेक गतिविधियों पर रोक लगाई जाए। दोनों रिपोर्टों का निष्कर्ष था कि पश्चिमी घाट को हरसंभव तरीके से सुरक्षित बनाए रखने की जरूरत है। प्रस्तावित किया गया कि भूभाग के 50-70 फीसदी हिस्से को जैव-विविधता और सकल पर्यावरणीय नाजुकता के परिप्रेक्ष्य में पूर्णत: संरक्षित क्षेत्र बना दिया जाए। पिछले सालों से महासागरों का औसत तापमान निरंतर बढ़ रहा है, इसकी वजह से जल और थल से वाष्पीकरण अधिक हो रहा है, नतीजतन

अधिक गहरे बादल बनने लगे हैं, जिसके चलते बहुत भारी बरसात होती है। इससे जल भराव, सैलाब और भूस्खलन होता है। पश्चिमी घाट के कई भागों में यही हो रहा है। टेरी (ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान) ने महाराष्ट्र सरकार को सौंपी अपनी मौसमीय बदलाव रिपोर्ट-2012 में राज्य कार्य योजना सुझाई है। कोंकण संभाग में चरम बारिश की घटनाओं में वृद्धि और भविष्य में इनके बढ़ते जाने की आशंका जताई गई है। बारिश का ठीक यही मंजर देश के दक्षिणी भाग में देखा गया। सामान्यत: केरल में मानसून जून के पहले सप्ताह में दस्तक देता है और इसके बाद देश के बाकी हिस्सों में फैलता है। वायनाड त्रासदी कई कारकों के इकट्ठा होने का परिणाम है -अरब सागर में गहरे मेघ बनना, बादल फटना, मिट्टी की जल सोखन शक्ति संतृप्त होना, नाजुक भाग में अतिक्रमण एवं पर्यावरणीय क्षरण इत्यादि। बारिश का असामान्य और चरम होना- इस इलाके में एक ही दिन में 150 एमएम से अधिक बरसात दर्ज हुई। इस भारी बारिश का एक परिणाम भूस्खलन रहा। भूस्खलन नतीजा है ढलान-बल में बढ़ोतरी और सतह को पकड़कर रखने वाले अवयवों की शक्ति कमजोर पड़ने का। यह चाल तब बनती है जब भूमि सतह को जकड़कर रखने वाले अवयवों की ताकत पर गुरुत्वाकर्षण बल भारी पड़ जाए। ऐसा होने पर, बारिश, बर्फ गिरने, जल सतह में बदलाव, जलधारा से हुआ कटाव, भूजल स्तर में बदलाव, भूकम्प, ज्वालामुखी कंपन या मानव निर्मित हिलजुल से ढलान का भाग धंस जाता है या नीचे की ओर बह निकलता है। भूस्खलन बनाने में मानवजनित गतिविधियों का योगदान खासा है, जो अक्सर तब होता है, जब निर्माण के दौरान ढलान की कटिंग यथेष्ट ढंग से न की जाए, जल निकासी प्रबंधन योजना का सही न होना या इसमें जुगाड़ वाला बदलाव करना या फिर पिछले भूस्खलनजनित कारक। पश्चिमी घाट का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा भूस्खलन जोखिम वाला है। बेशक भौतिक कारकों को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता किंतु जोखिम को विस्तृत भूवैज्ञानिक जांच, गहन इंजीनियरिंग ज्ञान और भू-उपयोगिता प्रबंधन पर कड़े नियंत्रण के जरिए काफी कम किया जा सकता है। दुर्भाग्य से बुनियादी ढांचा योजना बनाते वक्त इन पहलुओं को अक्सर ध्यान में नहीं रखा जाता। इसके परिणाम में 300 से अधिक लोगों की जानें गईं और अनेक बाशिंदे अभी भी लापता हैं।

2024 के ढाका में फिर उपजा 1975 का भयावह मंजर

ज्योति मल्होत्रा

वर्ष 1974 में रोनेन सेन उस वक्त युवा थे, जब बतौर राजनयिक वे ढाका (पूर्व में डाका) में नियुक्त हुए, मुक्ति संग्राम से प्राप्त आजादी अभी नई-नई थी और जननायक एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रहरी मुजीब-उर-रहमान का शासन था। एक साल के भीतर-15 अगस्त की अलसुबह राजधानी के बीचोंबीच धानमोंडी स्थित घर में, सबसे छोटे बेटे 10 वर्षीय रसेल सहित पूरे परिवार को खत्म कर दिया गया (यादगार स्मारक बना दिए गये उस घर में मैं कई बार गई हूं, वहां सीढ़ियों पर खून के धुंधलाते धब्बों की याद है, जो शायद मौत से बचने के प्रयासों के दौरान परिवार के सदस्यों के होंगे, प्रतीकात्मक रूप से देखा जाए तो ये बांग्लादेश के उथल-पुथल भरे इतिहास की भी गवाही देते हैं)।

जिस प्रकार सेन वह वाक्या बयान करते हैं, जिज्ञासा जगाने वाली अपनी विशेषता के साथ, कि कैसे ढाका से दिल्ली तक, उस सुबह इंदिरा गांधी को मुजीब की हत्या की खबर पहुंचाई जा सकी थी -इसमें लगभग तमाम किस्म के परिवहन साधनों का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसमें शायद मोटरसाइकिल भी होगी- और जब सूचना उन तक पहुंची तो उस वक्त वे लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन देने के वास्ते सीढ़ियां चढ़ रही थीं। मुजीब दुनिया से जा चुके थे, साथ ही एक युवा राष्ट्र को आगे ले जाने के वादे की भी क्रूर मौत हुई। सेन कहते हैं, उस अजीब सुबह को याद करते वक्त आज भी उन पलों के अहसास से सराबोर हो जाता हूं। 49 साल पहले हुई इन जघन्य हत्याओं के पीछे कौन-सी शक्तियां थीं? और पिछले सप्ताह की क्रांति का जिम्मेवार कौन? अब जबकि हम भारत में आजादी की एक और वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं, बांग्लादेश का परिदृश्य न केवल 1975 की खटास भरी यादों से भरा है बल्कि भावी नियति के रंगों से भी रंजित है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के तहत 17 सदस्यीय अंतरिम सरकार ने शपथ ग्रहण कर ली है, ऐसी खबरें हैं कि सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल थलीय रास्तों से भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशियों को रोक रहा है। कदाचित भाजपा दुविधा में है -क्या इन्हें आने दिया जाए, क्योंकि ज्यादा वक्त नहीं हुआ जब गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें दीमक करार दिया था या फिर जैसा कि असम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री मांग करते आए हैं, बिल्कुल भी अनुमति न दी जाए। तो क्या केवल बांग्लादेशी हिंदू स्वीकार्य होंगे- सनद रहे सीएए कानून केवल दक्षिण एशियाई अल्पसंख्यकों पर लागू होता है- या फिर भारत धर्म-निरपेक्ष आवामी लीग पार्टी के लोगों सहित तमाम बांग्लादेशियों के लिए अपने दरवाजे खोल दे। कहा जा रहा है कि ऐसे लोग हवाई अड्डे के इर्द-गिर्द इस उम्मीद में छिपे हुए हैं ताकि मौका पाते ही, तेजी से हवाई जहाज पकड़कर सुरक्षित निकल पाएं। रोनेन सेन की तरह अहसास भरी कुछ यादों के लिए 49 साल पीछे जाने की जरूरत नहीं है। बहुतों को केवल तीन साल पहले का एक और 15 अगस्त याद होगा, जब अफगानिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति अशरफ गनी अपने तीन निकटतम सहयोगियों और नोटों से भरे सूटकेसों सहित काबुल से भागे थे -वे सहयोगी तब से पश्चिमी जगत के विभिन्न मुल्कों में रह रहे हैं और खुद अशरफ गनी अबू धाबी में मजे में दिन गुजार रहे हैं। बांग्लादेश मामले की भांति, भारत ने अफगानियों के लिए भी अपना दरवाजा मजबूती से बंद किए रखा था- उन्हें अभी भी अनुमति नहीं है।

शेख हसीना से समानता वहीं समाप्त होती है। उन्हें बांग्लादेश से निकलकर हिंडन वायुसेना अड्डे पर उतरे 7 दिन हो चले हैं, लेकिन अभी भी ब्रिटेन सरकार द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने का अनुमति संदेश पाने की बाट जोह रही हैं। शायद यूके वालों को आगे अमेरिका की हां का इंतजार हो -सबको पता है कि हसीना और अमेरिका के बीच कभी नहीं बनी और अमेरिकी-ब्रितानी सरकारों के बीच रिश्ते हर स्तर पर बहुत पक्के हैं- पूरी संभावना है कि हसीना के इस इंतजार के पीछे अमेरिकियों से मिलने वाले संदेश की देरी हो। यहां कमाल की विडंबना यह होगी कि यदि हसीना को लंदन प्रवास की इज़ाजत मिल जाती है तो वे बांग्लादेश के एक अन्य निर्वासित की जगह भरेंगी, जो वहां पिछले 15 सालों से अधिक समय से रह रहा है और शायद जल्द ही वतन वापसी करे -वह है बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की मुखिया खालिदा जिया का बेटा तारिक रहमान, जिसे टीनो के नाम से भी जाना जाता है। खालिदा जिया खुद पूर्व प्रधानमंत्री और इससे पहले सैन्य तानाशाह रहे जनरल जिया-उर-रहमान की पत्नी हैं। एक बार जब टीनो की ढाका वापसी हुई, जिसकी उम्मीद बहुत जल्द है, तो पर्दे के पीछे शक्ति केंद्र वही होंगे। अगले कुछ हफ्ते देखने के लिहाज से रोचक होंगे -अवश्य ही हर किसी की नज़र होगी कि मुख्य सलाहकार यूनुस और बांग्लादेश सेना के बीच रिश्ता किस ढंग का बनता है। उम्मीद है सेनाध्यक्ष जनरल वकार-उज़-ज़मान इस महीने दिल्ली यात्रा पर आएंगे- यह जल्द से जल्द हो, इसके लिए भारत को जोर लगाना चाहिए। अब हमें पता चल चुका कि शेख हसीना के देश छोड़ने से 48 घंटे पहले, अमेरिका में बसे उनके बेटे ने उन्हें यह करने को मनाया -शायद इस विषय में उन्होंने अपनी बहन रेहाना की सलाहों को भी खारिज कर दिया- तिस पर सैन्य अधिकारियों ने आंदोलनकारी छात्रों के हुजूम पर गोली न चलाने का फैसला लिया। बांग्लादेश में, नेताओं की बजाय जनता के प्रति वफादारी निभाने की रिवायत सेना में रही है, उसने फिर से यही किया -आज़ादी की लड़ाई में हजारों सैनिकों ने अपनी जान न्योछावर की थी- जबकि राजसत्ता का साथ देकर शक्ति पाने का लालच बहुत बड़ा होता है।

बच्चों को खिलाएं हेल्दी और स्वादिष्ट नाश्ता

पनीर रोल

अगर आपके बच्चे को रोल खाना बेहद पसंद है तो झटपट उसे पनीर रोल बनाकर खिलाइए। इसे खाकर उसका पेट भी भरा रहेगा। पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। प्रोटीन से मांसपेशियां मजबूत होती हैं। पनीर के सेवन से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायता मिलती है। पनीर कैल्शियम का एक अच्छा माध्यम है। इससे हड्डियों और दांतों को मजबूती मिलती है। पनीर में विटामिन डी प्रचुर मात्रा में होता है। विटामिन डी शरीर के लिए एक आवश्यक तत्व है।

ओट्स इडली

सामान्य इडली से हटकर कुछ बनाना चाहती हैं, तो ओट्स इडली ट्राई कर सकती हैं। इसे नारियल की चटनी के साथ आप बच्चों के टिफिन में भी रख सकती हैं। फर्मेंटेड फूड होने की वजह से यह पेट के लिए काफी अच्छा होता है। इडली फाइबर रिच फूड है। इसकी वजह से इसे खाने के बाद हमारा पेट देर तक भरा रहता है, इसलिए हमें जल्दी भूख नहीं लगती है। इसमें किसी तरह का ट्रांसफैट या सैचुरेटेड फैट नहीं होता है, ऐसे में इसे खाने को लेकर आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ती। अगर आप डाइटिंग कर रहे हैं, तो भी इसे खा सकते हैं। दरअसल इडली का प्रोपोरशन तय करना बेहद आसान होता है।

मूंगदाल चीला

चीला हर किसी को खाना पसंद होता है। ऐसे में आप बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी मूंग दाल का चीला बना सकती हैं।

उपमा

उपमा एक साउथ इंडियन डिश है। इसे बनाना बेहद आसान होता है। खास बात ये है कि आप इसे कुछ मिनटों में आसानी से बना सकती हैं। इसमें ज्यादा तेल मसाले नहीं होते। जिस वजह से ये काफी हेल्दी होता है।

सेवई

नमकीन सेवई खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। बच्चों के साथ-साथ आप इसे अपने घर के बड़ों को भी परोस सकती हैं। ये कुछ ही मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है।

भारत देश अपने खान-पान की वजह से काफी चर्चित है। यहां हर राज्य का अपना अलग खाना होता है। विभिन्न तरह के ऑप्शन होने के बाद भी हर मां अपने बच्चे के नाश्ते के लिए परेशान रहती है। अगर आपके घर में भी छोटे बच्चे हैं, तो आप ये बात ज्यादा अच्छे से समझ सकती हैं कि बच्चे हर चीज नहीं खाते। बच्चों की पसंद कुछ अलग ही होती है इसलिए आप बड़ों के लिए जो बनाएंगी, कई बार बच्चे उसे खाने से नकार देते हैं। खास कर दिक्कत सामने आती है सुबह के नाश्ते के वक्त। दरअसल, बच्चों को सुबह स्कूल जाना पड़ता है, ऐसे में हर मां चाहती है कि उनका बच्चा सुबह ऐसी चीज खाकर जाए, जो हेल्दी भी हो और स्वादिष्ट भी। पर, रोज-रोज क्या बनाया जाए ये समझ नहीं आता है।

वेजिटेबल मसाला डोसा

सादा डोसा बनाने से बेहतर है उसमें कई सारी सब्जियां डाल कर वेजिटेबल मसाला डोसा बनाकर बच्चे को खिलाएं। ये काफी हेल्दी होता है।

साबूदाना खिचड़ी

अपने बच्चे को आप सुबह नाश्ते में साबूदाना खिचड़ी बनाकर खिला सकती हैं। ये खाने में काफी टेस्टी होती है। साबूदाना खिचड़ी एक महाराष्ट्रीयन डिश है जो साबूदाना, आलू और मूंगफली के साथ मिलाकर बनाई जाती है।

हंसना मना है

दादी- लगता है उस लड़की को लकवा हो गया है। देख कैसे उसका एक हाथ ऊपर हो रहा है और मुंह पिचका सा हो गया है। पोता- दादी लकवा नहीं, वह सेल्फी ले रही है।

प्राइमरी स्कूल में मैडम जी गहरी नींद में सो रही थी तभी कलेक्टर साहब आ गये, बहुत देर उठाने के बाद जब मैडम की नींद खुली, नींद खुलते ही मैडम कलेक्टर को देखते हुए बोली-तो बच्चों समझ गए ना, कुंभकर्ण ऐसे सोता था कलेक्टर साहब बेहोश।

एक आदमी वकील बन गया, उनको पहला केस मिला, मुलजिम- वकील साहब कोशिश करना उम्र कैद हो, फंसी ना हो, वकील- तुम चिंता मत करो, मैं हु ना पेशी के बाद कोर्ट से बाहर आते हुए पत्रकार- क्या हुआ वकील- बहुत मुश्किल से उम्र कैद करवाई है, वरना जज तो रिहा कर रहा था।

रमेश के पास रात को सांताक्लॉज आया और बोला-कोई विश मांगो, रमेश बोला- मेरी बीवी झगड़ा बहुत करती है कोई दूसरी बीवी दिलवा दो। सांताक्लॉज ने रमेश को बहुत मारा। फिर पता चला रमेश की बीवी ही सांताक्लॉज बन के आयी थी।

कहानी | बहरूपियों से हमेशा सतर्क एवं सावधान रहें

एक कबूतर और एक कबूतरी एक पेड़ की डाल पर बैठे थे। उन्हें बहुत दूर से एक आदमी आता दिखाई दिया। कबूतरी ने कबूतर से कहा कि चलो जल्दी उड़ चले नहीं तो ये आदमी हमें मार डालेगा। कबूतर ने कहा, भला उसे ध्यान से देखो तो सही, उसके कपड़े देखो, चेहरे से भोलापन टपक रहा है, ये हमें क्या मारेगा, बिलकुल सज्जन पुरुष लग रहा है। कबूतर की बात सुनकर कबूतरी चुप हो गई। जब वह आदमी उनके पास आया तो अचानक उसने अपने वस्त्र के अंदर से तीर कमान निकाला और झट से कबूतर को मार दिया। असहाय कबूतरी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई और बिलखने लगी। उसके दु:ख का कोई ठिकाना न रहा और पल भर में ही उसका सारा संसार उजड़ गया। उसके बाद वह कबूतरी रोती हुई अपनी फरियाद लेकर राजा के पास गई और राजा को उसने पूरी घटना बताई। राजा बहुत दयालु इंसान था। राजा ने तुरंत अपने सैनिकों को उस शिकारी को पकड़कर लाने का आदेश दिया। तुरंत शिकारी को पकड़ कर दरबार में लाया गया। शिकारी ने डर के कारण अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उसके बाद राजा ने कबूतरी को ही उस शिकारी को सजा देने का अधिकार दे दिया और उससे कहा कि तुम जो भी सजा इस शिकारी को देना चाहो दे सकती हो। कबूतरी ने बहुत दु:खी मन से कहा कि हे राजन, मेरा जीवन साथी तो इस दुनिया से चला गया जो फिर कभी भी लौटकर नहीं आएगा, इसलिए मेरे विचार से इस क्रूर शिकारी को बस इतनी ही सजा दी जानी चाहिए कि अगर वो शिकारी है तो उसे हर समय शिकारी वाले कपड़े पहनना चाहिए। ये अच्छे व्यक्ति वाले कपड़े उतार दे क्योंकि अच्छे व्यक्ति वाले कपड़े पहन कर धोखे से घिनौने कर्म करने वाले सबसे बड़े नीच होते हैं। इसलिए अपने आसपास अच्छे व्यक्ति बनने का ढोंग करने वाले बहरूपियों से हमेशा सावधान रहें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। धन पाने की लालसा हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

वृषभ

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। मानसिक बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक

घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

मिथुन

व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कर्क

शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मकर

व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें।

सिंह

घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

कुम्भ

सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

कन्या

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी।

मीन

व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ मिल सकेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। चोट व रोग से परेशानी संभव है। यश बढ़ेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म इंडस्ट्री में पापा को नहीं मिला सम्मान : करण जौहर

करण जौहर बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर्स में से एक हैं। उन्होंने अब तक कई शानदार फिल्मों को प्रोड्यूस किया है। खास बात यह है कि करण जौहर के डायरेक्शन में बनी एक भी फिल्म फ्लॉप नहीं हुई है। हाल ही में डायरेक्टर ने अपने पिता यश जौहर के स्ट्रगल को लेकर बात की और बताया कि इंडस्ट्री में कभी उनका सम्मान नहीं किया गया। जाकिर खान के शो आपका अपना जाकिर में करण जौहर ने शिरकत की। उन्होंने बताया, 'एक भी बार ऐसा नहीं हुआ कि मुझे लगा हो कि मैंने कमाल कर दिया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल होगी, लेकिन मुझे लगता है कि पैसे डूब जाएंगे, मैं सड़क पर आ जाऊंगा, मैं कहां होऊंगा, क्योंकि आखिरकार मैं प्रोड्यूसर का बेटा हूं। पापा प्रोडक्शन कंट्रोलर थे। उन्होंने 30 सालों तक कई बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम किया, लेकिन जब वह पहली बार प्रोड्यूसर बने, तो उन्होंने दोस्ताना फिल्म लोन लेकर बनाई थी।'करण जौहर ने आगे कहा, 'रिलीज होने के बाद दोस्ताना बॉक्स ऑफिस पर चल गई थी। उसके बाद पापा ने बहुत सारी फिल्में बनाईं, लेकिन सभी फ्लॉप निकलीं। जब फिल्में नहीं चलती थी, तो इंडस्ट्री का रिएक्शन कुछ अलग होता है। ऐसा होता था कि फिल्मों के प्रीमियर में शामिल होने के लिए पापा को इनवाइट किया जाता था, लेकिन बहुत खराब सीट पर बैठने की जगह दी जाती थी।' डायरेक्टर ने कहा, 'पापा कहते थे कि मैं नहीं जाऊंगा, लेकिन मुझे वह अटेंड करने के लिए कहते थे। मैंने उनकी आंखों में वो दुख देखा है। बुलाया ही क्यों जब आप इज्जत नहीं दे सकते हैं। जब फिल्में फ्लॉप होती हैं, तो आपकी असफलता को जोर-शोर से पूरी दुनिया को बताई जाती है और इससे गुजरते हुए उन्हें देखना बहुत कठिन था।'

मलाइका के काम को लेकर कंफ्यूज रहते हैं उनके बेटे के दोस्त

मलाइका अरोड़ा इन दिनों पेरिस में हैं। उन्होंने यहां ओलंपिक भी एंजॉय किया। हाल ही में उन्होंने अपने बेटे संग इक्वेशन को लेकर बात की। साथ ही मलाइका ने बताया कि जब उनके बेटे के दोस्त उनके प्रोफेशन को लेकर कंफ्यूज रहते थे।

मलाइका ने कहा, एक दिन मेरे बेटे ने कहा कि उसके दोस्त कंफ्यूज रहते हैं कि आखिर मैं क्या करती हूं। वो बोलते हैं कि मैंने फिल्में, गाने किए हैं। मैं डूछ भी रही हूं। मैं मैंने मॉडलिंग भी की है और टीवी पर भी दिखती हूं। तो वो कंफ्यूज रहते हैं। लेकिन मुझे क्यों इस पर जोर देना है कि मैं क्या करती हूं? मैं वो करती हूं जो मुझे खुश रखता हूं। इसी के साथ मलाइका अरोड़ा ने ट्रोलिंग को लेकर भी रिएक्ट किया।

बता दें कि मलाइका अरोड़ा को अपने डांस नंबर के लिए जाना जाता है। वो हिट बॉलीवुड सॉन्ग्स जैसे छैया छैया, मुन्नी बदनाम हुई, अनारकली डिस्को चली के लिए जाना जाता है। मलाइका के डांस मूव्स बहुत पसंद किए जाते हैं। मलाइका के डांस नंबर आज भी चर्चा में बने रहते हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस टीवी शोज जज करती हैं। 2022 में मलाइका अपना एक शो लेकर आई थीं। शो का नाम था Moving in with Malaika।

पर्सनल लाइफ में मलाइका अरोड़ा के अर्जुन कपूर संग रिलेशनशिप की खबरों ने खूब लाइमलाइट लूटी। दोनों लंबे समय तक साथ रहें। हालांकि, लंबे समय से उनके ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं। लेकिन अर्जुन या मलाइका दोनों में से किसी ने ब्रेकअप को लेकर रिएक्ट नहीं किया है। इसी के साथ उन्हें हाल ही में एक इवेंट में साथ भी देखा गया था। जिसके बाद से उनके पैचअप की भी खबरें आईं।

स्त्री 2 ने एडवांस बुकिंग में की छप्पर फाड़ कमाई

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर फिल्म स्त्री 2 को रिलीज होने में कुछ ही दिन रह गए हैं। फिल्म 14 अगस्त को पर्दे पर दस्तक देने के लिए तैयार है। रिलीज से पहले स्त्री 2 की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है और फिल्म ने पहले दिन के एडवांस बुकिंग के लिए एक दिन में ही 3 करोड़ रुपए से ज्यादा कमा लिए हैं।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री-2 ने अब तक 1 लाख से ज्यादा के टिकट बेच लिए हैं। इस तरह फिल्म ने रिलीज के पहले दिन के लिए 3.35 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है।

स्त्री 2 साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री का सीक्वल है जिसका दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। अब फिल्म पर्दे पर आने के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसके कई गाने भी रिलीज हो गए हैं जो दर्शकों को काफी पसंद भी आ रहे हैं।

स्त्री 2 को अमर कौशिक ने मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज के बैनर तले डायरेक्ट किया है। फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी अहम किरदार अदा करते दिखाई देंगे। इसके अलावा फिल्म में वरुण धवन और अक्षय कुमार का खास कैमियो भी होगा।

बता दें कि स्त्री-2 बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों से टकराने वाली है। 15 अगस्त को थिएटर्स में एक साथ कई फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें जॉन अब्राहम की वेदा, संजय दत्त की डबल इस्मार्ट, कीर्ति सुरेश स्टारर रघु थाथा, चियान विक्रम की तंगलान और अक्षय कुमार स्टारर खेल खेल में शामिल हैं।

अजब-गजब | देवों की भूमि के रूप में जाना जाता है यह जिला

इस मंदिर में महादेव के हैं 26 मुख और 52 भुजाएं

गुमला जिला देवों की भूमि के रूप में जानी जाती है। यहां के कण-कण में शिव बसे हुए हैं। जिला चारों ओर शिवलिंग व देवालय से भरे पड़े हैं। जिस कारण गुमला जिला बाबा नगरी के रूप में जाना जाता है। इन्हीं मंदिरों में से एक है। गुमला जिला के रायडीह प्रखंड के मरदा गांव स्थित देवालय में भगवान शिव अपने विराट रूप में विराजमान हैं। यहां महा सदाशिव की अनोखी व अदभुत प्रतिमा स्थापित है। जिसके 26 मुख व 52 भुजा है।

यह राज्य एवं जिला का पहला महासदाशिव मंदिर है। जहां भगवान शिव की अनोखी प्रतिमा स्थापित है। इसके साथ ही मंदिर भी अनोखा है। यह मंदिर उड़ीसा के कारीगरों द्वारा निर्मित है। यह किसी भी मंदिर का नमूना नहीं है। यह मंदिर खुद से डिजाइन करके बनाया गया है। जो लगभग 85 फीट ऊंचा है। शिव के इस रूप के दर्शन मात्र से ही मनुष्य के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। मनुष्य का जन्म कृतार्थ हो जाता है। मंदिर के पुजारी मनोरंजन मिश्रा ने लोकल 18 को बताया कि भगवान शिव के 108 नाम हैं। भगवान शिव के तीन रोप स्वरूप दिव्य हैं। शिव, सदाशिव और महासदाशिव है। झारखंड के गुमला जिला के रायडीह प्रखंड के मरदा गांव में महा सदाशिव की प्रतिमा स्थापित है। जिनकी 26 मुख 52 भुजाएं हैं। जिनके दर्शन मात्र से ही मनुष्य का पाप नष्ट हो जाता है। इससे सुख, शांति व मनवांछित फल प्राप्त होता है।यह अति

दुर्लभ प्रतिमा है। यह राज्य का पहला महा सदाशिव मंदिर है। यह झारखंड का पहला महासदाशिव मंदिर है, जो हमारे देवालय में स्थापित है। यह प्रतिमा झारखंड में ही नहीं पूरे भारतवर्ष में अति दुर्लभ है। भारत के कुछ ही देवालय में भगवान शिव की दुर्लभ प्रतिमा के दर्शन होते हैं। मेरे जानकारी के अनुसार यह देवालय भारत में चौथा नंबर में है। जहां भोले बाबा महासदाशिव के दिव्य विराट स्वरूप के दर्शन कर सकते हैं। मनुष्य महासदाशिव के दर्शन पाकर के अपने जन्म को कृतार्थ कर लें। महासदाशिव जी की 26 मुख और 52 भुजाएं का वर्णन महाशिवपुराण में वर्णित है। मंदिर के निर्माता विज्ञान सिंह के द्वारा किया गया है। बताते चलें कि विज्ञान सिंह के दादा श्रीधर सिंह शिव के बड़े उपासक थे। उन्होंने ही अपने गांव में मंदिर बनाने की योजना बनाई थी। उनका स्वर्गवास हो गया। परंतु उनके पौत्र विज्ञान सिंह उनके योजना को पूर्ण करने की ठानी। इसके लिए उन्होंने जगदगुरु शंकराचार्य, ज्योतिष्पीठ/द्वारका शारदा पीठ स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती से मिले। उनसे मंदिर निर्माण व भोले बाबा के प्राण प्रतिष्ठा के बारे में विचार विमर्श किया। जिन्होंने शिव जी के महासदाशिव की प्रतिमा स्थापित करने का सुझाव दिया। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के सानिध्य में मार्च 2019 में मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा किया गया।

यहां शिव जी के साथ - साथ द्वारपाल रिंगी और भृंगि भी विराजमान हैं,जिनके भी दर्शन कर सकते हैं। इसके साथ ही नवग्रह के दर्शन कर सकते हैं। जैसे ङ्क सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र , शनि, राहु और केतु भी विराजमान हैं। यह नवग्रह सबको कल्याण प्रदान करते हैं। सावन माह में बाबा जी का यहां विशेष अनुष्ठान, आराधना किया जाता है। शिव जी ऐसे सामान्य दिनों में सिर्फ धरातल पर 1 माह में 4 दिन ही रहते हैं। परंतु सावन माह में पूरे सावन भर धरातल पर मां शक्ति के साथ विराजमान रहते हैं। मनुष्य सावन में अनुष्ठान, हवन, आराधना, साधना करता है। उसका सर्वधा कल्याण प्राप्त होता है।

यहां जलते कोयले पर नंगे पैर चलते हैं भक्त, 21 दिन का रखते हैं व्रत

अंबाला। सनातन धर्म एक ऐसा धर्म है, जहां लोग अपनी आस्था और विश्वास के साथ भगवान को प्रसन्न करने के लिए कई प्रयास करते हैं। भक्तों की खाली झोली भरने वाली और सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाली मां शीतला की 1964 से शोभा यात्रा हर साल अंबाला छावनी में निकाली जाती है। इस यात्रा को लेकर भक्तों में भी काफी ज्यादा उत्साह होता है। यह शोभा यात्रा साउथ इंडियन क्लब के द्वारा निकाली जाती है।

इस शोभा यात्रा में मां शीतला के भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने के बाद माता का धन्यवाद करने के लिए श्रद्धा से अपने शरीर में कुंडे और त्रिशूल लगाकर यात्रा निकलते हैं। ज्यादा जानकारी देते हुए साउथ इंडियन क्लब के सदस्य शक्ति ने बताया कि मां शीतला की शोभा यात्रा हर साल उनके द्वारा अंबेडकर पार्क से शुरू की जाती है। जिसके बाद यह यात्रा बंधु नगर में संपन्न हो जाती है। यह यात्रा 1964 से साउथ इंडियन क्लब के द्वारा निकाली जा रही है। जिसमें सबसे पहले मां शीतला के भक्तजन 21 या 11 दिन के व्रत रखते हैं। जिसमें भक्तजन नंगे पैर रहते है। शोभा यात्रा खत्म होने के बाद भक्तजन अग्नि परीक्षा करते है। इस अग्नि परीक्षा में अंगारों के ऊपर से भक्तजन गुजरते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि इस यात्रा में शामिल होने के लिए दूर-दूर के राज्यों से भक्त पहुंचते है। वही इस बारे में जब यात्रा में शामिल भक्तजन से बात की तो उन्होंने बताया कि हर साल सावन माह के दौरान शीतला माता की हम पूजन करते है। जिसमें माता शीतला के व्रत रखने होते है। जिसमें अपनी-अपनी मन्नत पूरी होने के बाद भक्त यात्रा निकलते है। यह यात्रा बंधु नगर से शुरू होती है। यात्रा समाप्त होने के बाद भक्तजन अग्नि परीक्षा देंगे।

सीएम बुलाएं मराठा और कोटा विवाद पर सर्वदलीय बैठक : पवार

» एनसीपी एसपी प्रमुख ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से की अपील

» कहा- राज्य का सामाजिक ताना-बाना अच्छा बना रहने के लिए उठाए जाएं कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने मराठा और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों के बीच कोटा विवाद पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इस मुद्दे पर ऑल पार्टी मीटिंग के लिए अपील की है। शरद पवार ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि राज्य का सामाजिक ताना-बाना अच्छा बना रहे और समुदायों के बीच कोई कड़वाहट न हो।

मराठा क्रांति ठोक मोर्चा के कार्यकर्ता रमेश केरे पाटिल ने उनके आवास पर मुलाकात की और कोटा मुद्दे पर उनका रूख जानना चाहा। शरद पवार ने कहा कि उन्होंने केरे पाटिल द्वारा दिया गया एक ज्ञापन स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री के साथ बैठक की थी और सुझाव दिया था कि वह कोटा विवाद पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाएं। उन्होंने कहा कि मैंने सुझाव दिया है कि वह (कोटा) मुद्दे का समाधान खोजने के लिए सभी राजनीतिक दलों की एक बैठक बुलाएं। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने आगे कहा कि उन्हें उन नेताओं को आमंत्रित करना चाहिए जो उन्हें उचित लगे और विपक्ष के रूप में हम भी इसमें शामिल होंगे और सहयोग करेंगे। सीएम शिंदे को राज्य में मराठा आरक्षण आंदोलन का नेतृत्व करने वाले कार्यकर्ता मनोज जारांगे और मंत्री छगन भुजबल जैसे ओबीसी नेताओं को आमंत्रित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि इसमें एक बाधा है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही फैसला कर दिया है कि आरक्षण देते समय 50 प्रतिशत कोटा सीमा का उल्लंघन नहीं किया जा सकता है और कहा कि एक नीति का मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी केंद्र पर है। उन्होंने कहा कि केंद्र की नीति में बदलाव की जरूरत है और विपक्ष सहयोग करेगा।

विपक्ष के रूप में हम देंगे सहयोग

राज ठाकरे पर साधा निशाना

एनसीपी सुप्रीमो ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे पर राज्य में विभाजन और जाति-आधारित मतभेद पैदा करने का आरोप लगाने के लिए उनकी आलोचना की और सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि बिना किसी कारण के इस मुद्दे में उनका नाम क्यों घसीटा गया।

सुप्रिया सुले का फोन-व्हाट्सएप हुआ हैक

महाराष्ट्र में एनसीपी (एसपी) की सांसद और शरद पवार के बेटी सुप्रिया सुले का मोबाइल फोन और व्हाट्सएप हैक हो गया। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद ही इस बारे में जानकारी दी है। सांसद ने लोगों से सतर्क रहने को कहा है साथ ही ये भी कहा कि सरकार को इस बारे में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। सुप्रिया सुले ने लिखा कि मेरा फोन और व्हाट्सऐप हैक कर लिया गया है। कृपया मुझे मैसेज या फोन न करें। मैं पुलिस में शिकायत दर्ज करा रही हूं। सुले के एक करीबी सूत्र के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से हैकिंग के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। सांसद ने आगे कहा कि मैं सभी से अनुरोध करना चाहती हूं कि किसी का भी मोबाइल हैक किया जा सकता है। मेरा मोबाइल बंद था और फिर हमें पता चला कि कोई और मेरा व्हाट्सएप एक्सेस कर रहा है। मुझे पुणे के एसपी ऑफिस से तत्काल मदद मिली। सरकार को इस बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए, यह निजता का मामला है।

सुभासपा ने बदला अपना चुनाव चिह्न

» छड़ी की जगह अब चाबी बना राजभर की पार्टी का सिंबल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। घोसी लोकसभा चुनाव में चुनाव चिन्ह को लेकर उपजे भ्रम से सबक लेते हुए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने अपना चुनाव चिन्ह बदल कर चाबी कर लिया है। अब तक पार्टी का चुनाव चिन्ह छड़ी था। इसके साथ ही पार्टी की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया है। जिसमें ओम प्रकाश राजभर को दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष और बेटे अरविंद राजभर को महासचिव और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नामित किया गया है। जबकि प्रेमचंद कश्यप को पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। वहीं, 25 जिलों में नए जिलाध्यक्षों और मोर्चों व प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई।

बता दें कि लोकसभा चुनाव में पार्टी के महासचिव अरविंद राजभर एनडीए के प्रत्याशी के तौर पर छड़ी चुनाव चिन्ह घोसी से चुनाव लड़े थे। वहीं, एक निर्दल प्रत्याशी भी हॉकी चुनाव चिन्ह पर मैदान में उतरी थी। जिसे 45 हजार से अधिक वोट मिले थे। उस समय ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया था कि दोनों चुनाव चिन्ह एक जैसे होने की वजह से मतदाता भ्रमित हो गया था और निर्दल प्रत्याशी को वोट दे दिया था। उसी वक्त पार्टी के चुनाव चिन्ह को बदलने का फैसला किया गया था। सुभासपा अध्यक्ष के दूसरे बेटे अरुण राजभर को फिर से पार्टी का राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता बनाया गया है।

हरियाणा में चुनाव की तैयारियां तेज

» दो दिवसीय दौरे पर पहुंची चुनाव आयोग की टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर निर्वाचन आयोग की टीम भी सक्रिय है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग की एक टीम राज्य में विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए हरियाणा के दो दिवसीय दौरे पर चंडीगढ़ पहुंची है। इस साल के अंत में हरियाणा विधानसभा के चुनाव होने हैं। अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू भी टीम का हिस्सा हैं।

अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोग की टीम राजनीतिक दलों, जिला चुनाव के प्रतिनिधियों और सीनियर अफसरों के साथ बैठक में चुनाव तैयारियों की समीक्षा करेगी। पोल पैनल टीम राज्य भर में निगरानी और सतर्कता बढ़ाने के लिए प्रवर्तन एजेंसियों

को दिशानिर्देश जारी करेगी। चुनाव आयोग के मुताबिक हरियाणा में 3 नवंबर को विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। हरियाणा के बाद निर्वाचन आयोग की टीम महाराष्ट्र और झारखंड का भी दौरा करेगी। इससे पहले आयोग की टीम ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया है। माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग सितंबर में इन राज्यों में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम को लेकर घोषणा कर सकती है।

एक एम्स के होते दूसरे की जरूरत क्यों पड़ी

» दरभंगा एम्स को लेकर रोहिणी आचार्य ने पीएम मोदी से मांगा जवाब

» पूछा- अगस्त 2023 में क्या पीएम ने की थी गलत बयानबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी और सारण सीट से 2024 के लोकसभा चुनाव में भाग्य आजमाने वाली रोहिणी आचार्य ने सुबह-सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए दरभंगा एम्स और पूर्णिया एयरपोर्ट को लेकर ये हमला बोला है।

रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दरभंगा में एक और एम्स? प्रधानमंत्री जी ने तो अगस्त, 2023 में ही

अपने एक भाषण में बताया था कि दरभंगा में एम्स का निर्माण हो चुका है और वहां मरीजों के इलाज की शुरुआत भी हो चुकी है। ऐसे में पूछता है बिहार कि बकौल प्रधानमंत्री जी जब दरभंगा में एक एम्स है ही तो फिर दूसरे के निर्माण के लिए जमीन सौंपे जाने की नौबत क्यों आन पड़ी? क्या तब अगस्त, 2023 में गलतबयानी की थी प्रधानमंत्री जी ने? अगर हां तो क्या की गई गलतबयानी के लिए प्रधानमंत्री जी की तरफ से कभी कोई खेद प्रकट किया गया?

पूर्णिया एयरपोर्ट को लेकर भी कसा तंज

दरभंगा एम्स के साथ ही रोहिणी आचार्य ने पूर्णिया एयरपोर्ट को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा है कि दरभंगा एम्स की ही तरह पूर्णिया में घरेलू उड़ानों के लिए हवाई अड्डा का निर्माण भी हो ही गया है। यात्रियों की आवाजाही भी जारी है। अब कहीं ऐसा न हो कि वहां भी दूसरे हवाई अड्डा का निर्माण व उद्घाटन हो जाए।

दरभंगा में एम्स के लिए बिहार सरकार ने दी 150.13 एकड़ जमीन

बता दें कि बिहार सरकार ने दरभंगा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निर्माण के लिए एकमी शोभन बाईपास पर 150.13 एकड़ जमीन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को सौंपी है। बिहार के अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य, प्रत्यय अमृत ने भूमि हस्तांतरण में किसी भी बाधा की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि परियोजना के लिए शेष 37.31 एकड़ जमीन अगले हफ्ते ट्रांसफर कर दी जाएगी। इसी को लेकर रोहिणी आचार्य ने तंज कसते हुए एक्स पर पोस्ट किया है।

भारतीय ओलंपियन से मिलेंगे प्रधानमंत्री मोदी

» पेरिस ओलंपिक पदकवीरों से अलग से भी करेंगे मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 का समापन हो चुका है, जिसमें भारत कुल 6 ही पदक जीत पाया है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त यानी भारत के स्वतंत्रता दिवस पर पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने गए सभी भारतीय एथलीटों से मिलने वाले हैं। 15 अगस्त के दिन पीएम मोदी दोपहर करीब 1 बजे पूरे भारतीय दल से मिलेंगे।

भारतीय ओलंपिक दल में शामिल रहे प्रत्येक एथलीट को 15 अगस्त के दिन लाल किले पर आने का न्योता भेजा जा चुका है। बता दें पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी 117 एथलीट स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले पर मौजूद रहेंगे। इसके अलावा पीएम मोदी भारत के लिए मेडल जीतने वाले एथलीटों से अलग से मुलाकात कर सकते हैं। जब-जब भारत के किसी एथलीट ने पेरिस ओलंपिक्स में मेडल जीता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही उनसे फोन पर बात करके उन्हें शुभकामनाएं भेज चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने भारत के उन एथलीटों का भी मनोबल बढ़ाया, जो बेहद करीबी अंतर से मेडल जीतने से चूक गए थे। इससे पहले सोशल मीडिया के माध्यम से पीएम मोदी सभी भारतीय एथलीटों को अगले सफर के लिए शुभकामनाएं भेज चुके हैं। प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से सभी एथलीटों के प्रति सम्मान दिखाया और कहा कि प्रत्येक भारतवासी को सभी एथलीटों पर बहुत गर्व है।

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर मौजूद रहेंगे सभी खिलाड़ी

विनेश को पीएम ने किया था प्रोत्साहित

भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट के लिए पिछले कुछ दिन कठिनाइयों से भरे रहे हैं। उन्हें तय मानकों से 100 ग्राम वजन अधिक पाए जाने के कारण फाइनल मैच लड़ने से पहले ही ओलंपिक्स से बाहर कर दिया था। इस विषय पर पीएम मोदी ने विनेश के प्रति समर्थन जताते हुए कहा कि वो चैंपियनों में चैंपियन हैं। उन्होंने विनेश का मनोबल बढ़ाने के लिए यह भी कहा कि इस तरह की घटनाएं अक्सर दिल तोड़ देने वाली होती हैं, लेकिन इस दुखद घटना को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। पीएम मोदी ने आगे के सफर के लिए विनेश फोगाट को ढेर सारी शुभकामनाएं भी भेजीं।

फुल ड्रेस रिहर्सल स्वतंत्रता दिवस से पूर्व विधानसभा के समक्ष फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। इस दौरान हेलीकॉप्टर से रिहर्सल में पुष्प वर्षा भी की गई। मौके पर डीएम व कमिश्नर के अलावा शासन-प्रशासन के तमाम आलाधिकारी मौजूद रहे।

सेबी मामले में जेपीसी जांच कराए केंद्र सरकार : मायावती

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट से गरमाई सियासत, बसपा प्रमुख बोलीं- देश को प्रभावित कर रहा मामला

» संजय सिंह बोले- पीएम जांच कराएं वर्ना लोग समझेंगे 'चौकीदार चोर है'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर पहली प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में मायावती ने मोदी सरकार को सलाह देते हुए जांच की मांग की है।

बसपा चीफ ने लिखा कि पहले अडानी ग्रुप व अब सेबी चीफ सम्बंधी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट फिर से जबरदस्त चर्चाओं में है तथा आरोप-प्रत्यारोप का दौर इस हद तक जारी है कि इसे देशहित को प्रभावित करने वाला बताया जा रहा है। अडानी व सेबी द्वारा सफाई देने के बावजूद मुद्दा थमने का नाम नहीं ले रहा बल्कि उबाल पर है।

संजय सिंह ने भी पीएम मोदी को घेरा

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह हिंडनबर्ग की नई रिसर्च रिपोर्ट आने के बाद से लगातार पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर हमला बोल रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने देश के पीएम को इस मामले में निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा है कि मोदी जी बेनामी कंपनी में सेबी प्रमुख की निवेश की जांच जेपीसी से कराओ, वरना लोग गलत समझेंगे। संजय सिंह ने अपने पोस्ट में कहा कि मोदी जी की ईमानदारी देखिए, उन्होंने उस माधबी बुच को सेबी प्रमुख बनाया, जो बरमुडा और मारीशस के बेनामी फंड में निवेश करती हैं। बेनामी मतलब ऐसी कंपनियां जिसके न तो कर्मचारी का पता है, न ही आय के स्रोत का, लेकिन वो कंपनियां भारत में अडानी की कंपनी में हजारों करोड़ रुपये लगाकर फर्जी तरीके से शेयर का दाम बढ़ाती हैं। आप सांसद ने आगे कहा कि इसी घोटाले की जांच सेबी प्रमुख को करनी थी, इसी बेनामी फंड में खुद उनका निवेश है। मोदी जी जेपीसी से जांच कराओ वरना लोग समझेंगे चौकीदार ही चोर है।

केंद्र की साख व विश्वसनीयता हो रही प्रभावित

बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा कि वैसे यह मुद्दा अब सत्ता व विपक्ष के वाद-विवाद से परे केंद्र की अपनी साख व विश्वसनीयता को भी प्रभावित कर रहा है, जबकि केंद्र सरकार को अब तक इसकी उच्च-स्तरीय जांच अर्थात जेपीसी या जुडिशियल जांच जरूर बैठा देनी चाहिये थी तो यह बेहतर होता।

फोटो :4 पीएम

अभियान लखनऊ में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बाबा रामदेव और बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

» पतंजलि प्रोडक्ट्स को लेकर चल रहा अवमानना केस कोर्ट ने किया बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ पतंजलि प्रोडक्ट्स को लेकर चल रहे अवमानना के केस को बंद कर दिया। पतंजलि प्रोडक्ट्स को लेकर चलाए गए भ्रामक विज्ञापनों और दवाओं को लेकर किए गए दावों को संबंध में दोनों की तरफ से अंडरटेकिंग दी गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। इस तरह बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को देश की शीर्ष अदालत से बड़ी राहत मिल गई है।

दरअसल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने 2022 में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें मॉडर्न मेडिसिन के खिलाफ रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद की अपमानजनक टिप्पणियों का जिक्र किया गया था।

14 मई को सुरक्षित रखा था आदेश

योग गुरु बालकृष्ण और कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील गौतम तालुकदार ने कहा कि अदालत ने रामदेव, बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा दिए गए अंडरटेकिंग के आधार पर अवमानना कार्यवाही बंद कर दी है। 14 मई को शीर्ष अदालत ने अवमानना नोटिस पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

विस चुनाव से पहले जेल से बाहर आया राम रहीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख और बलात्कार के दोषी गुरमीत राम रहीम सिंह फिर हरियाणा के रोहतक जिले की सुनारिया जेल से बाहर आ गया है। अधिकारियों ने उसे 21 दिन की पैरोल दी। उसे आज सुबह 6.30 बजे रिहा किया गया। आश्रम से दो वाहन राम रहीम के लिए आए। वह डेरा के बागपत आश्रम में रहेगा।

» 21 दिन की मिली पैरोल

यह घटनाक्रम पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा 9 अगस्त को एसजीपीसी की याचिका का निपटारा करने के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को अस्थायी रिहाई दिए जाने को चुनौती दी गई थी।

न्यायालय ने कहा था कि अस्थायी रिहाई की याचिका पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा बिना किसी मनमानेपन या पक्षपात के विचार किया जाना चाहिए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी), सर्वोच्च गुरुद्वारा निकाय ने राम रहीम की अस्थायी रिहाई के खिलाफ याचिका दायर की थी।

अवैध निर्माण ढहाने पहुंचे एमसीडी के बुल्डोजर को भीड़ ने घेरा

» स्थानीय लोग बोले- मर जाएंगे लेकिन जगह को नहीं छोड़ेंगे

» लोगों का दावा- 80 प्रतिशत लोग देते हैं टैक्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के भलस्वा डेयरी इलाके में अवैध निर्माण को ढहाने पहुंचे दिल्ली नगर निगम के बुलडोजर के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान लोगों ने नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एक्शन का विरोध किया। वहीं, भीड़ की मौजूदगी को ध्यान में रखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

दिल्ली हाईकोर्ट के बाद अवैध निर्माण को ढहाने पहुंचे एमसीडी के बुलडोजरों को लोगों की भीड़ ने घेर लिया और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। लोगों का कहना है कि अगर एमसीडी को

इन घरों तोड़ना था तो उस दौरान तोड़ती जब इन घरों का निर्माण किया जा रहा था। उस वक्त प्रशासन कहां गया था। यहां से प्रशासन वाले एक-एक लेंटर के एक लाख-दो लाख रुपये लेकर जाते हैं। तोड़ना है तो पहले उनका घर तोड़ें। उन्होंने पहले हमसे यहां घर बनाने का पैसा लिया। उस वक्त ये पुलिस, एमसीडी प्रशासन कहां गया था। आज ये कुछ भ्रष्ट एनजीओ की वजह हमारे घरों को तोड़ने आएं हैं। हम यहां तब से है, जब यहां जगल था। स्थानीय लोगों का कहना है कि 80 प्रतिशत लोग यहां हाउस टैक्स देते हैं और ये दूसरी तरफ हमको परेशान कर रहे हैं। हम मर जाएंगे पर, इस जगह को नहीं छोड़ेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।